जय जय जय खाटू के वासी

जय जय जय खाटू के वासी
जय जय जय जय बाबा श्याम
शरणागत हम आए आपकी
दर्शन हमको देदो श्याम

सुन्दर कुण्ड बना खाटू में
शोभा अति अपार श्याम
मज्जन करते श्याम कुण्ड में
भव सागर से तारो श्याम
शरणागत हम आए आपकी...

शीश मुकुट आभूषण सोहे
गल पुष्पों की माला श्याम
मस्तक पर मलिहागिरी चन्दन
मोर छड़ी हाथों में श्याम
शरणागत हम आए आपकी...

रत्न जड़ित सिंघासन बैठे
केसरिया बागा अंग सोहे श्याम
खीर चुरमो भोग लगत है
मोदक भर भर थालियों श्याम
शरणागत हम आए आपकी...

ऊँचे भवन अति छवि विराजे
शोभा अति अपार है श्याम
खड़े भगत जन चवँर जुलावे
सेवा ठुमरी करते श्याम
शरणागत हम आए आपकी...

नाथ अप्सरा नृत्य करत है
कर रह्यो श्याम तेरो गुणगान
संत भगत सेवक नर नारी
लगा रहे चरणो में ध्यान
शरणागत हम आए आपकी...

धुप कपूर जलाए श्याम की
निसदिन आरती करते श्याम
झांझ कटोरा और घड़ियाल
शंख और दुम्बी बाजे श्याम
शरणागत हम आए आपकी...

नगाड़ा तुमरे बाज रहेया है

तीन लोक में जय जयकार
नारद शारद शेष महेश भी
पायो नहीं तुम्हारो पार
शरणागत हम आए आपकी...

आप तो हो प्रभु अन्तर्यामी
मैं मूरख खल कामी ओ श्याम
बुद्धि मेरी निर्मल करदो
अपने चरणो का सेवक जान
शरणागत हम आए आपकी...

चरणो में हम आन पड़े हैं
अपने हस्त उठाओ श्याम
सच्चे मन से जो कोई धयावे
उसका होव पूर्ण काम
शरणागत हम आए आपकी...

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/893/title/jai-jai-jai-khaatu-ke-vasi-jai-jai-jai-jai-baba-shyam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |